बेचारी नहीं

वाणी प्रकाशन व वर्ल्ड कॉमिक्स इंडिया

बेचारी नहीं

वाणी प्रकाशन

21-ए, दरियागंज, नयी दिल्ली-110002

फोन : 011-23273167, 23275710, फैक्स : 011-23275710

e-mail : vaniprakashan@gmail.com
Website : www.vaniprakashan.in

ISBN : 978-93-5000-560-6

संस्करण : 2011

मूल्य : 30 ₹

बेचारी नहीं

नीति

दो बहनें हैं, शीलू और नीलू। शीलू विकलांग है।
बेचारी चल नहीं सकती
मेरी बहन शीलू को बेचारी बोल रही हैं।

चाची आप लोग शीलू को बेचारी बोल कर सहानुभूति व्यक्त न करें वह बहुत कुछ कर सकती है।

सही बात हैं दीदी हम इसे 'अपाहिज' कहकर बुलाते हैं यह ठीक नहीं इसका भी कोई नाम है।
ठीक कहती हो

शीलू कहाँ से घुम कर आ रही हो।
घुम कर नहीं चाची बच्चों को पढ़ाकर आ रही हूँ।

समझ

Amresh

Kanti Mus.
Bihar

हिम्मत

Samantar (Bharatpur) — Manju Kaur.

सोच...

ANKITA Rawat

लड़की पढ़ेगी

लछमा का भाई स्कूल जा रहा है और लछमा घर का काम और मुर्गियों को खिलाना।

एक, दो, तीन, चार, पाँच, –
और इस प्रकार लछमा गिनती सीख गई।

अरे मुर्गियाँ तो कम है बाबा को बताती हूँ।

उसके पिता ने चोर को पकड़ा। उन्होंने लछमा से पुछा तुमने कैसे गिना तो लछमा ने सारी बातें बताई।
तब उसके पिता ने उसे पढ़ाने का निश्चय किया।

भवानि (अलवर)

अब होगा दाखिला

Name - Deepa
Jhinkwan (Gairsain)

सुनी जो खबर

DIMPAL JAISWAL
(U.P.)

को आयी समझ

DIMPAL JIASW
(U.P.)

DIMPAL Jaiswal

"हमे भी पढ़ना है"

परमार
हाथमा

सपने पुरे....

LAXMAN KUMAR
CLASS = XIIth
BAJJU. (BIKANER)

क्या सीखा ?

ओजसी मेहता
बांसवाड़ा (राज.)

एक नई मिसाल

पूजा पाण्डे
उमंग

जरा सोचो
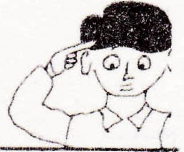
जन कला साहित्य मंच संस्था

रेणु शर्मा

चुप्पी तोड़ो

Sarita Saluja
Bhartpur.

बेचारी नहीं

ISBN : 978-93-5000-560-6
www.vaniprakashan.in
Comics ₹30